बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है। अगर आपको कंधे पर बैग कैरी करना अच्छा लगता है, तो आप उन महिलाओं में से एक है जो काम और फैमिली दोनों को एक साथ हैंडल करके चलती हैं और जो काफी व्यस्त रहती हैं। आप दिखावे में यकीन नहीं करती हैं और आप काफी प्रैक्टिकल इंसान हैं। आप फैशन से ज्यादा अपने काम पर फोकस करना पसंद है। अगर आप अपना बैग हाथ में पकड़ती है, तो आपको ऐश-ओ-आराम की लाइफ पसंद है। आपको महंगे लेकिन छोटे क्लचेज कैरी करना काफी अच्छा लगता है। अगर आप बैग को बांह के नीचे दबाकर रखती हैं तो आप उन महिलाओं में से हैं, जो लोगों से आसानी से घुलती-मिलती नहीं हैं और उनसे दूरी बनाकर रखती हैं।

आकर्षक चेहरे को देखने से तेज होती है याददाश्त

अगर आप अपनी याददाश्त बढ़ाना चाहते है तो इसके लिए शोधकर्ताओं ने बेहद आसान और अनोखा तरीका खोजा है। विपरीत लिंग के आकर्षक व्यक्ति की ओर लगातार देखने से स्मरण शक्ति बढ़ सकती है विशेषकर पुरुषों की। अमेरिकी पत्रिका पैसिफिक स्टैण्डर्ड में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अपने से विपरीत लिंग के व्यक्ति की ओर देखने से याददाश्त तेज होती है। शोधकर्ताओं ने इसका पता लगाने के लिए दो शोध किए जिसमें पुरुषों को एक आकर्षक और एक साधारण महिला की तस्वीरें दिखाई गई। आकर्षक तस्वीर की ओर देखने वाले पुरुषों की याददाश्त साधारण महिला की तस्वीर देखने वालों की तुलना में बेहतर दिखी। पहले प्रयोग में मनोविज्ञान के 58 छात्रों को विपरीत लिंग के 10 चेहरों को सात सेकंड तक दिखाते हुए एक कहानी सुनाई गई। इन चेहरों में बेहद आकर्षक और साधारण महिलाओं की तस्वीरें शामिल थी। बाद में पाया गया कि सुंदर चेहरों को देखने वाले पुरुषों को कहानी अच्छे तरीके से याद रही।

हल्के लहंगे चलन में...

जब हम किसी फ्रैंड या किसी रिश्तेदार की पार्टी में जानें के लिए शॉपिंग करते हैं तो हम सोचते है कि ऐसी कौन सी ड्रैस पहनी जाएं जिसमें हम कूल और स्टाइलिश भी लगें तो ऐसे में हमारे मन में सबसे पहला ख्याल लहंगे का आता है, लेकिन आजकल हल्के लहंगे चलन में बहुत हैं। यहां तक की ब्राइडल लुक के लिए यह लहंगे फैशन में बने हुए है। इन लहंगों को आप भारी एम्ब्रॉयडरी की हुई चोली या ब्लाउज के साथ मैच कर पहन सकती हैं। सबसे बड़ी बात कि हल्के लहंगों के साथ आपको जूलरी मैच करने में भी ज्यादा सोचना नहीं पड़ता क्योंकि इस पर कोई भी ज्यूलरी मैच कर जाती है। अगर आप भी किसी फंक्शन के लिए ड्रैस चुन रही है तो आप हल्के लहंगों को चुन सकती है।

ऐसे पाएं लंबी पलकें...

बॉलीवुड अदाकाराओं जैसी लंबी पलकें आप भी पा सकती हैं। पेट्रोलियम जैली जैसे वैसलीन को पलकों पर अप्लाई करने से पलकें और तेजी से बढ़ने लगेंगी। इस घरेलू नुस्खे से आपकी पलकें थिकर और स्ट्रॉन्ग भी हो जाएंगी। आपको हर तीन महीने में अपनी पलकें ट्रिम करनी चाहिए, लेकिन इसके सिर्फ एक छोटे से पार्ट को ही ट्रिम करें। पलकें ट्रिम करने से ये और तेजी से बढ़ने लगेंगी। जैतून का तेल पलकों को विकसित करने के लिए काफी पुराना नुस्खा है। सोने से पहले अपनी पलकों के आसपास एक रुई की मदद से जैतून का तेल लगा लें। पूरी रात जैतून के तेल में मौजूद आवश्यक विटामिन पलकों मे समा जाएंगे।

स्टाइलिश दिखने और खुद को अप टू डेट रखने के लिए लोग बॉडी में कहीं न कहीं पियर्सिंग करवा रहे हैं। पियर्सिंग एक पारंपरिक तरीका है जिसमें शरीर पर किसी भी जगह पर त्वचा में छेद कर ज्वेलरी पहनने लायक बनाया जाता है। इयरलोब और नाक की पियर्सिंग बहुत कॉमन है जबकि दूसरे हिस्से जैसे आईब्रो, होंठ, जीभ और अन्य अनेक हिस्सों की पियर्सिंग कराने का चलन इन दिनों बना हुआ है। किसी अन्य बॉडी मॉडिफिकेशन प्रोसेस की तरह ही पियर्सिंग के साथ भी कुछ जोखिम जुड़े हुए हैं और इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

पियर्सिंग के खतरों को जानें...

जिस तरह स्टाइलिश कपड़ों के साथ अच्छे फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह शरीर या होंठ में कौन सी एक्सेसरीज वियर करनी चाहिए, इसके चलते पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। फैशन के लिए पियर्सिंग कराना बहुत अच्छा है लेकिन यह कराने से पहले जरा सावधानियां भी बरतें। जेवर पहनने के लिए कान नाक में छेद करवाने का चलन दुनियाभर में सदियों से रहा है, लेकिन अब फैशन के चलते नाभि से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों को छिदवाने का चलन है, जबकि इस दौरान घाव या संक्रमण होने पर लेने के देने पड़ सकते हैं और लंबे समय तक इलाज कराने की नौबत आ सकती है। ज्यादातर मामलों में पियर्सिंग को बिना किसी एनेस्थेसिया के पियर्सिंग गन या स्टैंडर्ड नीडिल से किया जाता है। अगर साफ सफाई का ध्यान रखते हुए संक्रमण रहित सुई से पियर्सिंग की जाए तो कोई समस्या नहीं होती वर्ना संक्रमण हो जाता है। सुई संक्रमण रहित न हुई तो हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी से लेकर सिफिलिस और एचआईवी जैसी संक्रामक बीमारियों का संक्रमण हो सकता है और रक्त में संक्रमण से सेप्सिस भी हो सकता है। कई महिलाएं कान के बाहरी हिस्से में कई छेद करवाती हैं। ऐसा होने पर कानों को आकार देने वाली कार्टिलेज में भी छेद किया जाता है और इसमें घाव बन सकता है। ऐसे घाव को भरने में बहुत समय लगता है और संक्रमण की भी आशंका होती है।

घाव भरने में देरी

इन दिनों मुंह, जीभ, नाक, भौंह, नाभि आदि में छेद करवाने का चलन है। हर स्थान का घाव भरने में समय लगता है और इसके लिए सावधानी भी बेहद जरूरी है। लेकिन कुछ स्थानों पर पियर्सिंग करवाने पर खास ध्यान देना पड़ता है। मुंह और नाभि में छेद करवाने पर अगर सावधानी नहीं बरती गई तो संक्रमण की आशंका बहुत होती है। नाभि में अक्सर कपड़ों की रगड़ लगने की वजह से घाव भरने में बहुत समय लगता है। जिस जगह छेद करवाया गया हो, जरूरी नहीं है कि उस छेद में हर तरह की धातु के गहने पहने जा सकें। कुछ धातुओं से शरीर की त्वचा को एलर्जी होती है और यह भी नुकसानदेह हो सकता है। कुछ धातुओं से शरीर के किसी भाग की त्वचा में समस्या हो सकती है और किसी भाग में नहीं। अक्सर कहा जाता है कि मधुमेह के रोगियों के घाव भरने में बहुत मुश्किल होती है। लेकिन न्यूमोनिया से लेकर ल्यूपस तक कई बीमारियां ऐसी हैं जिनकी वजह से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और इसका पता भी नहीं चल पाता। ऐसे में यदि पियर्सिंग हो तो संक्रमण की आशंका अधिक होती है। अगर घाव बन गया तो उसके ठीक होने के बाद भी उसका निशान लंबे समय तक रह सकता है।

टंग पियर्सिंग

जिस तरह अच्छे कपड़ों के साथ अच्छे सैंडल और फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह होंठ या शरीर में कौन सी एक्सेसरीज इस्तेमाल करनी चाहिए। इसके लिए बॉडी पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। जीभ की पियर्सिंग कराना फैशन स्टेटमेंट बन चुका है। जीभ छिदवाकर स्टड्स पहनना या फिर छोटी सी बाली पहनना उनके लिए खुद को स्टाइलिश साबित करने का एक तरीका है। लेकिन एक नए शोध के अनुसार यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे दांतों से जुड़ी कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जीभ की पियरसिंग कराने से मसूड़ों पर चोट लगती है और हड्डी के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। पियरसिंग कराने वालों में आगे चलकर नर्वस-सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं भी घर कर जाती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि जीभ की पियर्सिंग के कारण आप दिनभर अपनी जीभ को मुंह में ही इधर-उधर करते रहते हैं। इसकी वजह से मसूड़ों में इन्फेक्शन हो सकता है। इसके चलते बोन-लॉस का खतरा भी हो सकता है। पियर्सिंग टूटकर मुंह से पेट में जा सकती है या फिर किसी नाल में फंस सकती है।

बेली पियर्सिंग

आजकल के फैशन के दौर में अधिकतर युवतियां बेली पियर्सिंग कराना चाहती हैं। नाभि में पियर्सिंग कराना वैसे तो काफी दर्द भरा होता है लेकिन अधिकतर जगहों पर इसे करने से पहले उस स्थान को सुन्न किया जाता है। फिर भी जहां पियर्सिंग कराने जा रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें, हो सके तो अपने दोस्तों और नेट का सहारा लेकर सही जगह का पता लगाएं। पीयर्सिंग का एक मतलब कई गंभीर बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शंस को भी दावत देना है। नाभि और जुबान पर होने वाली पीयर्सिंग से हेपेटाइटिस के संक्रमण होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। यही नहीं जो लोग डाइबिटीज या अन्य स्किन इन्फेक्शंस से पीड़ित होते हैं वे इस तकनीक की वजह से गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। वहीं बुखार, पेट दर्द आदि जैसे संक्रमण होने का भी बहुत खतरा होता है। नाभि की पीयर्सिंग के बाद त्वचा अक्सर ठीक होने में थोड़ा ज्यादा समय लेती है ऐसे में उसके पूरी तरह ठीक होने तक हाइजीन का पूरा खयाल रखना बहुत जरूरी है।

नोज पियर्सिंग

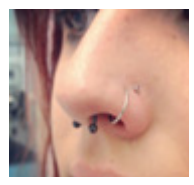

नाक में पियर्सिंग तो आम है लेकिन यदि यह ठीक से न हो तो इसकी वजह से टिश्यूस क्षतिग्रस्त हो सकते हैं जिससे केलॉइड स्कार होने की आशंका भी हो सकती है। ठीक ऐसे ही स्कार होठों और कान की पीयर्सिंग के कारण भी हो सकते हैं। प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा न करवाए जाने पर किसी भी तरह की ब्लीडिंग या हेमरेज का कारण भी बन सकती है पियर्सिंग। हृदय रोग की फैमिली हिस्ट्री वाले लोगों के लिहाज से विशेषतौर पर पियर्सिंग गंभीर स्थितियां पैदा कर सकती है।

लिप पियर्सिंग

एकदम हटके लुक पाने के लिए इन दिनों लिप पियर्सिंग का चलन भी बढ़ा है लेकिन आपको बता दें कि लिप पियर्सिंग करवाने में सबसे ज्यादा दर्द होता है और साथ ही ये नार्मल होने भी टाइम लेता है। चूंकि धातुएं आम तौर पर त्वचा के संपर्क में आने पर डरमेटाईटिस यानी त्वचा की सूजन को बढ़ाती हैं, कुछ लोगों को गहनों से एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। इन रिएक्शन्स में सांस लेने में समस्या हो सकती है, छेदन किये गए स्थान पर रेशेज और सूजन आ सकती है। कभी कभी गंभीर होने पर अस्पताल में भी एडमिट होना पड़ सकता है।

चिन पियर्सिंग

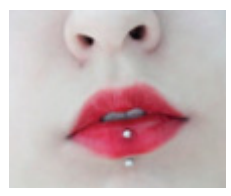

इन दिनों चिन पर डबल व सिंगल पियर्सिंग ट्राई किए जा रहे हैं। इसमें स्टोन लगाए जा रहे हैं। वैसे मेटल स्टड्स भी ट्रेंड में हैं। गलत तरीके से छेदने पर कोई तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो सकती है जिससे कि छेद किए जाने वाला और इसके आसपास का स्थान हमेशा के लिए मृत हो सकता है। खासकर जब इसे किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया गया हो। कभी कभी जब छेदन किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया जाता है या छेदने वाला स्थान गलत हो तो सुई किसी नस को छेदकर उसे क्षतिग्रस्त कर सकती है अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है और शरीर में खून की कमी हो सकती है।

आइब्रो पियर्सिंग

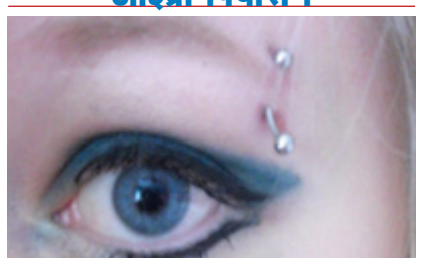

इन दिनों आइब्रो पियर्सिंग खूब चल रही है लेकिन पियर्सिंग के घाव को भरने में 2 से 12 महीने का समय लगता है, इसलिए आइब्रो पियर्सिंग बहुत सावधानी से करवाएं। आइब्रो पियर्सिंग में केलोइड्स हो जाए तो सुंदरता को बिगाड़ सकता है। केलोइड्स छेदन किये गए स्थान पर सख्त गांठें या उतकों की अतिरिक्त वृद्धि होते हैं जो बाहर निकले हुए होते हैं और बहुत बदसूरत दिखाई देते हैं। जब भी केलोइड्स के उपचार की बात आती है तो इसकी रोकथाम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी प्रकार का उपचार इन्हें पूरी तरह से नहीं हटा सकता या उपचार पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता।

फिंगर पियर्सिंग

इन दिनों सबसे ज्यादा डिमांड में है फिंगर पियर्सिंग। यह देखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं और आप अपने हाथ की किसी भी उंगली पर डबल पियर्सिंग करवा सकते हैं। इसमें नग लगवा सकते हैं, लेकिन यह बात जरूर ध्यान रखें कि शरीर को छेदने पर होने वाला सबसे आम खतरा है संक्रमण। यदि तुरंत उपचार नहीं किया गया तो इससे दाग पड़ सकता है और खून में भी संक्रमण हो सकता है। ध्यान न दिए जाने पर यह आपके ऊपर एक भद्दा दाग छोड़कर आपको बदसूरत बना सकता है।

लोअर वियर्स के नए फैशन...

महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होते या किसी पार्टी में जाने से पहले के समय में अक्सर यह सही सोची हैं कि क्या क्या पहने? जिससे वे भीड़ में सबसे अलग दिख सके। तो आइए आज हम आपको इस सीजन फैशन की रेस में सबसे आगे चल रहे लोअर वियर्स के बारे में बताते हैं।

प्लीटेड बैगी पैंट

इस तरह के पैंट फॉर्मल वियर के रूप में काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इन ट्राउजर्स के ऊपरी हिस्से में प्लीट्स होती हैं और ये निचले हिस्से में फिटेड होते हैं। ग्रे, पीच और ऑफ व्हाइट जैसे रंगों के प्लीटेड बैगी ट्राउजर सबसे ज्यादा चलन में हैं। एक अन्य प्रकार के प्लीटेड बैगी ट्राउजर्स ऊपर से नीचे तक ढीले होते हैं। इन्हें कैजुअल परिधानों के रूप में पहना जाता है। इन्हें आप चाइनीज कॉलर वाली शर्ट, कफ वाली हाफ स्लीव शर्ट या पिनस्ट्राइप्स प्रिंट वाली शर्ट के साथ पहन सकती हैं।

क्यूलॉट्स

ऑफिस वियर्स के रूप में आजकल क्यूलॉट्स सबसे ज्यादा पसंद की जा रही पैंट हैं। ये सीधी और चौड़ी दोनों कट्स में आती हैं। आजकल साइड से कट लगी क्यूलॉट्स भी चलन में हैं। इन्हें बनारसी कुर्ते, असिमिट्रिकल टॉप, घुटनों तक लंबे टॉप या फॉर्मल टॉप के साथ पहना जा सकता है।

पलाजो

ढीला-ढाला पलाजो इन दिनों मेट्रो शहरों से लेकर छोटे शहरों तक की महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है। इसने अधिकांश वॉर्डरोब में चूड़ीदार पैजामे और सलवार की जगह ले ली है। इन दिनों लिनन, होजरी, जॉर्जट से बने पलाजो चलन में हैं। इन्हें पहन कर वेस्टर्न और एथनिक दोनों तरह के लुक पाए जा सकते हैं। इन्हें लॉन्ग कुर्ते, श्रग, क्रोशिया टॉप, जैकेट, अचकन स्टाइल के बटन डाउन टॉप के साथ पहना जा सकता है।

मिडी स्कर्ट

लायक्रा, जॉर्जेट या नियोप्रीन जैसे फैब्रिक्स से बनी मिडी स्कर्ट्स इन दिनों काफी चलन में हैं। किसी पार्टी में या दोस्तों के साथ मूवी देखने जाते समय इन्हें पहना जा सकता है। कॉकटेल पार्टी में भी इन्हें पहन कर बेहतरीन लुक पाया जा सकता है। बिना बाजू या आधी बाजू वाले टॉप और क्रॉप टॉप के साथ ये स्कर्ट्स कमाल लगती हैं।

बलून स्कर्ट

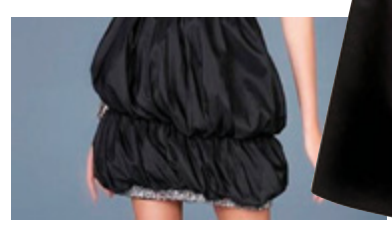

फूले हुए फैब्रिक से बनी इस तरह की स्कर्ट ब्रिटिश लुक देती है। आमतौर पर ये स्कर्ट नियोप्रीन, नेट आदि फैब्रिक से बनी होती हैं। यह स्पैगेटी, स्लीवलेस, लेयर्ड और क्रॉप टॉप के साथ अच्छी लगती है।

महलों की शाही दुनिया...

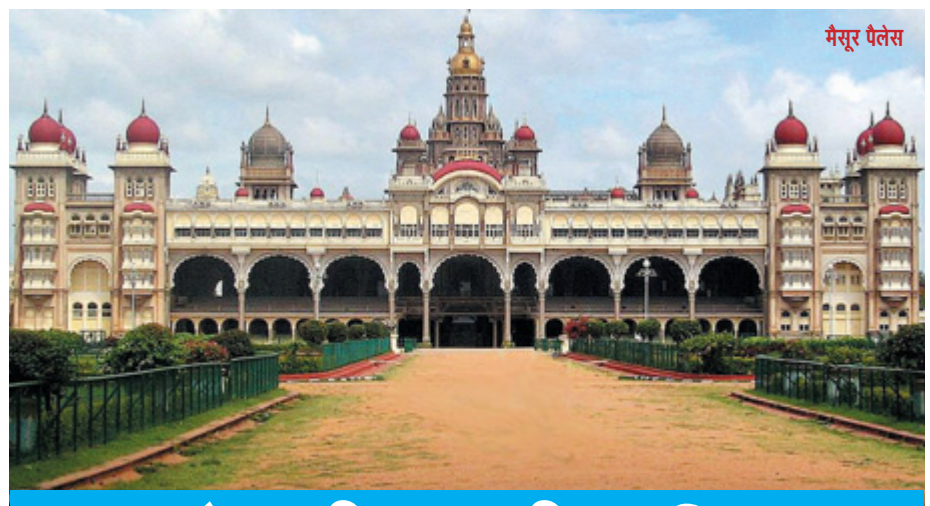
मैसूर पैलेस

आज हम आपको बताएंगे किसी जमाने में बादशाहों के शाही निवास और आज दुनिया के प्रसिद्ध स्मारक बन चुके महलों के बारे में। सैकड़ों साल पहले बसे इन महलों की दिलचस्प बात है कि इनमें इंडिया का मैसूर पैलेस भी है, जिसकी खूबसूरती के चर्चे दुनिया भर में हैं।

मैसूर पैलेस, भारत

इसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है। यह दक्षिण भारत के मैसूर शहर में स्थित है। इसमें दो दरबार हॉल्स हैं। भारत में ताज महल के बाद टूरिस्ट्स के लिए मैसूर पैलेस आकर्षण का केंद्र है। इसे देखने के लिए हर साल यहां करीब 27 लाख टूरिस्ट्स आते हैं।

पैना नेशनल पैलेस, पुर्तगाल

इस महल का निर्माण 1840 में शुरू होकर 1885 में खत्म हुआ। इसी साल इसे बनाने वाले राजा फर्डिनेंड द्वितीय की मृत्यु हो गई। यह महल लिस्बन में भूकंप से क्षतिग्रस्त एक मठ पर बना है। यह एक राष्ट्रीय स्मारक है और यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित हुआ है।

स्कॉनब्रून पैलेस, वियना

70 के दशक से यह महल वियना में आकर्षण का केंद्र है। इसमें 1441 शाही और आलीशान कमरे हैं। इस महल को सम्राट लियोपोल्ड-प्रथम के अनुरोध पर 1696 और 1712 के बीच बनाया गया था। यहां प्रिवी गार्डन, दुनिया का सबसे पुराना चिड़ियाघर, भूलभुलैया और पहाड़ की 60 मीटर ऊंची चोटी पर संगमरमर का एक कुंज भी है।

समर पैलेस, चीन

बीजिंग स्थित इस महल में बनी कुनमिंग लेक आकर्षण का केंद्र है। यह महल 2.9 स्क्वॉयर किलोमीटर के एरिया को कवर करता है। इसका तीन तिहाई हिस्सा पानी से भरा हुआ है। यह जगह चीन के साम्राज्यवादी शासकों द्वारा एक ग्रीष्मकालीन आवास के रूप में इस्तेमाल की गई थी।

पैलेस ऑफ वर्सेल्स, फ्रांस

यह महल फ्रांस में है। इसे 1624 में लुई तेरहवें द्वारा बनाया गया। महल के अंदर एक मीटर ऊंचा और आधा टन का एक झूमर लगाया गया है। यह झूमर स्वारोस्की क्रिस्टल से सजा है। स्टील से बने ढांचे में इसे लगाया गया है। इसके साथ ही इसमें एक लीड लाइटिंग सिस्टम भी है।

शैटा दे चमबोर्ड, फ्रांस

यह शाही महल भी फ्रांस में है। यह अपनी भव्य वास्तुकला के लिए दुनिया में पहचाना जाता है। यह इमारत राजा फ्रेंकोइस द्वारा बनाई गई थी। इस महल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है। इस महल से प्रेरणा लेकर यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में फाउंडर्स बिल्डिंग बनी।

बकिंघम पैलेस, लंदन

बकिंघम हाउस वेस्टमिंस्टर के शहर में स्थित है। यहां शाही दावतें होती हैं और यह ब्रिटिश सम्राट का प्रमुख कार्यस्थल और निवास भी है। जब भी टूरिस्ट्स लंदन आते हैं, इस पैलेस को जरूर देखकर जाते हैं। हर साल ज्यादातर अगस्त और सितंबर में महल के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक तौर पर खोला जाता है।

अलहम्ब्रा, स्पेन

स्पेन में स्थित अलहम्ब्रा एक पैलेस और किला है। इसका निर्माण 889 में हुआ था और इसे एक किले के रूप में बनाया गया था। बाद में 1333 में ग्रेनेडा के सुल्तान यूसुफ प्रथम द्वारा इसे शाही महल में परिवर्तित किया गया। 1492 में इसके कुछ भाग को ईसाई शासकों ने भी इस्तेमाल किया।

पोताला पैलेस, चीन

पोताला पैलेस ल्हासा, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, चीन में स्थित है। यह मार्पोरी पहाड़ी पर बना हुआ है और ल्हासा की घाटी से 130 मीटर की ऊंचाई पर है। यह तिब्बत में सबसे बड़ी स्मारकीय संरचना है। इस पैलेस का निर्माण 1645 में पांचवें दलाई लामा के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ और 1648 में पूरा हुआ। पोताला पैलेस तब तक दलाई लामा का निवास बना रहा, जब तक कि 14वें दलाई लामा भारत नहीं आ गए।

फॉरबिडन सिटी, चीन

यह दुनिया के सबसे सुंदर शाही महलों में से एक है। इसका निर्माण 1406 से 1420 के बीच हुआ था। यह बीजिंग, चीन के मध्य में स्थित है और अब इस पैलेस में संग्रहालय भी है। लगभग 500 वर्षों के लिए यह सम्राटों और उनके परिवारों का घर रहा है। इसमें 980 भवन हैं और यह 720,000 स्क्वॉयर मीटर कवर करते हैं।